जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान टिहरी गढ़वाल, नई टिहरी

द्विवर्षीय डी०एल०एड० चतुर्थ सेमेस्टर के प्रशिक्षुओं की 96 दिवसीय इन्टर्नशिप हेतु चयनित विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों की अभिमुखीकरण कार्यशाला

कार्यक्रम आख्या

दिनांक— 01 अगस्त 2024

कार्यक्रम समन्वयक : डा॰ सुमन नेगी, प्रवक्ता, डायट, नई टिहरी

द्विवर्षीय डी॰एल॰एड॰ चतुर्थ सेमेस्टर के प्रशिक्षुओं की 96 दिवसीय इन्टर्नशिप हेतु चयनित विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों की अभिमुखीकरण कार्यशाला

कार्यशाला आख्या

दिनाँक 01 अगस्त 2024 को द्विवर्षीय डी॰एल॰एड॰ चतुर्थ सेमेस्टर के प्रशिक्षुओं (चयन वर्ष 2020–21) की 96 दिवसीय इन्टर्नशिप हेतु चयनित विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों की एक दिवसीय अभिमुखीकरण कार्यशाला का शुभारम्भ निर्धारित समयानुसार श्रीमती हेमलता भट्ट, प्राचार्य डायट नई टिहरी, डा॰ सुमन नेगी, कार्यक्रम समन्वयक, प्रवक्ता डायट, श्रीमती निर्मला सिंह, अभिमुखीकरण हेतु चयनित विभिन्न विद्यालयों से आए प्रधानाध्यापकों एवं डी॰एल॰एड॰ प्रशिक्षुओं की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। प्राचार्य द्वारा उपस्थित प्रतिभागियों का कार्यशाला में स्वागत किया गया।

- द्विवर्षीय डी॰एल॰एड॰ प्रशिक्षण के चतुर्थ सेमेस्टर के दौरान प्रशिक्षुओं को विद्यालय में 96 दिनों तक विद्यालयी अनुभव प्राप्त करना होता है। इस दौरान वे पठन–पाठन के साथ–साथ विद्यालय से सम्बन्धित समस्त गतिविधियों को व्यवहारिक रूप में सीखते हैं। इस दौरान सम्बन्धित विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं एक सहायक अध्यापक (मेण्टर शिक्षक) इनके कार्यों का अवलोकन एवं सहयोग करने के साथ–साथ मेण्टर शिक्षक की भूमिका का निवर्हन करते हैं। है। इन्टर्नशिप के दौरान डी॰एल॰एड॰ प्रशिक्षुओं द्वारा विभिन्न प्रकार की गतिविधियों को संचालित की जाती हैं जिनका निरीक्षण विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं सहायक अध्यापक (मेण्टर शिक्षक) द्वारा किया जाता है। इर्ण्टनशिप के दौरान प्रधानाध्यापक एवं सहायक अध्यापकों के द्वारा प्रशिक्षुओं का सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन किया जाता है। इर्ण्टनशिप पूर्ण होने पर प्रधानाध्यापक द्वारा प्रशिक्षुओं का 530 अंकों का आन्तरिक मूल्यांकन कार्य भी सम्पन्न किया जाता है। अतः प्रशिक्षुओं के विद्यालयों में जाने से पूर्व सम्बन्धित विद्यालय के प्रधानाध्यापकों को इण्टर्नशिप प्रशिक्षण की जानकारी देने हेतु संस्थान में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य इन्टर्नशिप प्रशिक्षण प्रारम्भ होने से पूर्व सम्बन्धित विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों का प्रशिक्षुओं के 96 दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान किए जाने वाले विभिन्न कार्यो के बारे में अभिमुखीकरण कराना है जिससे उन्हें सम्बन्धित प्रशिक्षुओं का अवलोकन, सहयोग एवं मूल्यांकन करने में सहयोग प्राप्त हो सके।
- कार्यशाला का संचालन कार्यशाला समन्वयक डॉ॰ सुमन नेगी, प्रवक्ता डायट टिहरी द्वारा किया गया तथा यह जानकारी दी गयी कि विद्यालयी अनुभव प्राप्त कर प्रशिक्षुओं में शिक्षा के विस्तृत परिप्रेक्ष्य, व्यावसायिक क्षमताएँ, संवेदनशीलता व कौशलों के बढ़ने की क्षमता का विकास होगा तथा साथ में

विद्यालय के समुदाय एवं परिवेश को सम्मिलित करते हुए विद्यालयी जीवन के सम्पूर्ण अनुभवों की समझ का विकसित होगी। इसके साथ ही प्रशिक्षु द्वारा प्राप्त सैद्धान्तिक ज्ञान और कौशलों को कक्षा की वास्तविक स्थितियों में प्रयोंग कर पाने के अवसर प्राप्त होंगे।

- प्रतिभागी प्रधानाध्यापकों को इन्टर्नशिप से सम्बन्धित क्रियाकलाप/गतिविधि की जानकारियाँ साझा की गयी। 96 दिवसीय इन्टर्नशिप के दौरान प्रशिक्षु को निम्नलिखित प्रदत्त कार्य/ गतिविधियाँ संचालित करनी होनी–

क्र०सं०	प्रदत्त कार्य
1	**<u>शिक्षण तैयारी एवं शिक्षण</u>** • शिक्षण योजनाओं का निर्माण एवं शिक्षण • शिक्षण डायरी • संसाधन सामग्री विकास, संकलन एवं कक्षा शिक्षण में उपयोग • बाल मेला (विषयवार प्रयोग की गई सीखने सिखाने की गतिविधियों में बच्चों की भागीदारी का प्रदर्शन) • नवाचारी कार्यक्रमों का कियान्वयन–मिशन कोशिश, प्रतिभा दिवस, शंका समाधान दिवस, अंग्रेजी वार्तालाप दिवस, आनन्दम् •
2	**<u>विद्यालय संचालन</u>** • प्रवेश प्रक्रिया एवं जागरूकता अभियान • विद्यार्थी पंजिकाओं का प्रारूप निर्माण व सहायता • पाठ्य सहगामी गतिविधियों का आयोजन • समुदाय सम्पर्क व समुदाय का अध्ययन (पुरातन छात्र समिति की बैठकों का आयोजन) • विद्यालय प्रबन्धन समिति की बैठकों तथा विकासखण्ड एवं संकुल स्तर के प्रशिक्षण/ बैठकों में प्रतिभाग • विद्यालय समय–सारणी का निर्माण (पंचाग) • आंगनवाडी केन्द्र में संचालित शैक्षिक कार्यक्रमों का अध्ययन एवं सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम का क्रियान्वयन

3	**शोध अभिवृत्ति विकास** • क्रियात्मक शोध • रिफ्लेक्टिव डायरी • चिंतन पत्रिका व दीवार पत्रिका का निर्माण
4	**आकलन प्रक्रिया** • विद्यार्थियों के आकलन हेतु विषयवार ब्लू प्रिंट, प्रश्न–पत्र निर्माण (सीखने के प्रतिफल आधारित), उत्तरों का आकलन व अभिभावकों को सूचित करना (व्यापक एवं सतत् मूल्यांकन की समझ विकसित करना • विद्यालय आकलन हेतु संचालित विभिन्न गतिविधियों का अध्ययन एवं क्रियान्वयन • सीखने के प्रतिफल का कक्षाकक्ष में क्रियान्यन • विषयवार प्रश्नबैंक निर्माण (सीखने के प्रतिफल पर आधारित)

2. सम्बन्धित विद्यालय के प्रधानाध्यापकों को यह भी अवगत कराया गया कि वे अपने विद्यालय में इन प्रशिक्षुओं की उपस्थिति का एक रजिस्टर तैयार करेंगे तथा इन्टर्नशिप के अंत में संलग्न प्रारूपों के अनुसार प्रशिक्षु का मूल्यांकन एवं इन्टर्नशिप का प्रमाण–पत्र गोपनीयता के साथ लिफाफे में संबंधित प्रशिक्षु के माध्यम से संस्थान को उपलब्ध कराएगे।

3. इंटर्नशिप के दौरान को यह भी अवगत कराया गया कि इंटर्न शिक्षक इण्टर्नशिप के दौरान निम्नांकित निर्देशों का पालन करेंगे–

- इंटर्न शिक्षक प्रातःकालीन सभा के प्रारंभ होने से 10 मिनट पूर्व पहुँचकर तैयारी करेंगे।
- इंटर्न शिक्षक पूरी विद्यालय अवधि में विद्यालय में बने रहेंगे।
- विद्यालय में प्रशिक्षण हेतु निर्धारित गणवेश रहेंगे।
- आवंटित विद्यालय के सेवित क्षेत्र में ही निवास करेंगे।

- अभिमुखीकरण कार्यशाला में 24 विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यशाला में श्रीमती हेमलता भट्ट प्राचार्य डायट द्वारा कहा गया कि वर्तमान प्रशिक्षु भविष्य के शिक्षक हैं, 96 दिवसीय विद्यालयी अनुभव प्रशिक्षुओं को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने में

सहायता करेगा जिससे वे एक बेहतर शिक्षक बन सकें अतः इस सन्दर्भ में सम्बन्धित विद्यालयों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। निश्चित ही आज की कार्यशाला प्रतिभागियों को अपने कर्त्तव्य निवर्हन में सहायक सिद्व होगी। प्राचार्य महोदया द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि समय–समय पर विभागीय अधिकारियों एवं संस्थान के संकाय सदस्यों द्वारा इण्टर्नशिप हेतु चयनित विद्यालयों का अनुसमर्थन किया जायेगा।

अंत में प्राचार्य के शुभाशीष वचनों के साथ कार्यशाला का समापन किया गया।

(हेमलता भट्ट)
प्राचार्य
जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान
टिहरी गढ़वाल, नई टिहरी

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान टिहरी गढ़वाल, नई टिहरी

प्रतिभागियों की सूची

दिनांक 01 अगस्त 2024

क्र॰ सं॰	अध्यापक का नाम	पदनाम	विद्यालय का नाम	विकासखण्ड
1	श्री चिरंजी लाल नौटियाल	प्र॰अ॰	रा॰प्रा॰वि॰ बागवान	कीर्तिनगर
2	श्रीमती इंदिरा देवी	स॰अ॰	रा॰आ॰वि॰ नई टिहरी	चम्बा
3	श्री आनंदमणी पैन्यूली	स॰अ॰	रा॰आ॰वि॰ नई टिहरी	चम्बा
4	श्रीमती शशि जुयाल	प्र॰अ॰	रा॰प्रा॰वि॰ सेमलतप्पड़	चम्बा
5	श्रीमती विजयलक्ष्मी रतूड़ी	प्र॰अ॰	पी॰एम॰श्री प्रा॰वि॰ ढुंगीधार	चम्बा
6	श्रीमती संगीता कुमांई	स॰अ॰	रा॰प्रा॰वि॰ सतेगंल	जौनपुर
7	श्रीमती गीता रावत	प्र॰अ॰	रा॰प्रा॰वि॰ घेना	जौनपुर
8	श्री अजयराज सिंह रावत	स॰अ॰	रा॰प्रा॰वि॰ टरू	जौनपुर
9	श्री बीर सिंह	स॰अ॰	रा॰प्रा॰वि॰ बनाली	प्रतापनगर
10	श्रीमती प्रीति सिंह	स॰अ॰	रा॰प्रा॰वि॰ हलेथ	प्रतापनगर
11	श्रीमती नीमा शाह	प्र॰अ॰	रा॰प्रा॰वि॰ पिपोला	जाखणीधार
12	श्री आबिद अहमद	प्र॰अ॰	रा॰प्रा॰वि॰ गेंवली (देवल)	जाखणीधार
13	श्रीमती मीना देवी	प्र॰अ॰	रा॰प्रा॰वि॰ मोलनों	भिलंगना
14	श्री प्रमोद असवाल	स॰अ॰	रा॰प्रा॰वि॰ नकोट (जुवा)	थौलधार
15	श्रीमती रेखा रानी	प्र॰अ॰	रा॰प्रा॰वि॰ चौदह बीघा	नरेन्द्रनगर
16	श्रीमती सरिता नेगी	प्र॰अ॰	रा॰प्रा॰वि॰ साबली	चम्बा
17	श्रीमती साधना उनियाल	प्र॰अ॰	रा॰प्रा॰वि॰ खण्डकरी	चम्बा
18	श्री विजय सिंह	प्र॰अ॰	रा॰प्रा॰वि॰ कुल्पीसेरा	चम्बा
19	श्री ध्यान सिंह पुण्डीर	प्र॰अ॰	रा॰प्रा॰वि॰ विरोगी	चम्बा
20	श्रीमती पुष्पा तनवर	स॰अ॰	रा॰प्रा॰वि॰ सेमली	भिलंगना
21	श्रीमती मंगलेश्वरी सेमवाल	स॰अ॰	रा॰प्रा॰वि॰ जगवाधार	भिलंगना
22	श्रीमती पुनीता झल्डियाल	प्र॰अ॰	रा॰आ॰प्रा॰वि॰ ढालवाला	नरेन्द्रनगर
23	श्री सच्चेन्द्र सिंह	स॰अ॰	रा॰आ॰प्रा॰वि॰ ढालवाला	नरेन्द्रनगर
24	श्रीमती लक्ष्मी सिंह	प्र॰अ॰	रा॰प्रा॰वि॰ नई टिहरी–प्रथम	चम्बा